>

Title: Need to open stone quary in Cambell region in Andaman and Nicobar Island Groups.

श्री विष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह): सभापति महोदय, आपकी तरफ से एक बढ़िया सुझाव आया, यहां पर तीन-तीन मंत्री बैठे हुए हैं, कि जीरो ऑवर की एक कमेटी बनी और उस कमेटी की मीटिंग में जिन माननीय सदस्यों ने अपनी मांगें रखीं, उन पर पूछताछ करके पत्रों के माध्यम से जवाब दिया जाए। आजकल एक तरीका बन चुका है कि सांसद क्या मांग कर रहे हैं, लोग क्या मांग कर रहे हैं, जनता क्या मांग कर रही है, उसे सुनने की इच्छा किसी की नहीं है। इस कारण अन्ना हजारे जी का आगमन हुआ। अब श्री अन्ना हजारे जी द्वारा लोक सभा को एक बड़ी चुनौती आयेगी, संविधान को आयेगी।

सभापति महोदय, हम इंदिरा प्वाइंट पर चलते हैं जो भारत का आखिरी हिस्सा केम्प बेल में है। अंडमान-निकोबार का आखिरी हिस्सा इंदिरा प्वाइंट है, जहां 70 और 80 के दशक में एक्स फ्रीडम फाइटर्स को लेकर केम्प बेल में प्रहरी के रूप में बिठाया गया था। उस जगह एक गांव है जिसका नाम लक्ष्मी नगर है। लक्ष्मीनगर में सैटलमैंट विलेज है। वहां रिवैन्यू जमीन पर एक पत्थर की क्वारी थी। उसी के तहत एक गांव और है जिसका नाम गोविंद नगर है। उसमें पत्थर क्वारी थी, जिसे प्राइवेट व्यक्ति चलाता था। उस क्वारी के पत्थर से पूरे केम्प बेल में द्वीप का विकास हुआ, जेटी बना, रोड बना, बिल्डिंग आदि सब कुछ बना। वहां सुनामी आयी और सुनामी के पश्चात् अचानक उस क्वारी को रूपये लूटने के नाम पर बंद कर दिया गया। वह क्वारी बंद करके थाइलैंड से केम्प बेल में काम करने के लिए पत्थर मंगाया गया। वह पत्थर पोर्ट ब्लेयर से लाया गया। पोर्ट ब्लेयर में एक ट्रक में 20 एमएम चिप्स की कीमत छः हजार रुपये है और वही पत्थर केम्प बेल में 25 हजार रुपये की कीमत में गिराया जा रहा है। आप खुद हिसाब लगाइये कि कितनी लूट हो रही है। पांच हजार रुपये का पत्थर जो केम्प बेल में मिलता है, उसे न लेकर वहां से लेते हैं जहां 25 हजार या 30 हजार रुपये कीमत पड़ती है। । इस तरह से वर्ष 2004 से आज तक यानी इन सात सालों में पत्थर क्वारी प्रोडक्ट्स के नाम पर, ट्रंसपोर्ट कास्ट के नाम पर तीन-चार सौ करोड़ रुपये चोरी हो गए, गबन कर दिए गए जिससे देश का नुकसान हुआ। वहां के लोगों की जो मांग है, उसके लिए मैं यहां खड़ा हूं। उपराज्यपाल महोदय के पास स्टेट प्लान एडवाइजरी बोर्ड में मैंने वर्ष 2009-10 और 2010-11 में एक पत्र देकर मांग की और मीटिंग में कहा कि केम्प बेल में पत्थर क्वारी खोली जाये, ताकि ट्रंसपोर्ट के नाम पर देश के करोड़ों रुपये का नुकसान न हो। उस बारे में उन्होंने मुझे आश्वासन दिया।...(व्यवधान) आदरणीय उपराज्यपाल जी ने श्री डीसी निकोबार को आदेश दिया कि तुंत इस पर कार्रवाई करके केम्प बेल में पत्थर क्वारी खोली जाये।

.सभापति महोदय, यहां पर तीन-तीन मंत्री बैठे हुए हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि केम्प बेल में खेत डूबा पड़ा है। सुनामी में खेत डूबा पड़ा है। वहां लोगों के पास काम नहीं है। यह क्वारी खोलने से लोगों को काम मिलेगा, सस्ता पत्थर मिलेगा और कम पैसे में विकास होगा। इस विकास से उन्नति होगी।

आखिर में, मैं मांग करना चाहता हूं कि मिडिल या नार्थ अंडामन में क्वारी की मांग मैंने पहले की थी, जो आज तक नहीं खुली। मैं चाहता हूं कि मिडिल या नार्थ अंडमान में पहले जो क्वारी चलती थी, उसे तुंत खोला जाये, ताकि अंडमान का स्थानीय क्वारी से विकास हो, पैसा बचे। स्टेट प्लान एडवाइजरी बोर्ड की मीटिंग में मैंने उपराज्यपाल महोदय के सामने क्वारी खोलने की मांग की, ताकि स्थानीय क्वारी से सस्ता पत्थर मिले जो विकास के काम में लगे, लेकिन वह आज तक नहीं हुआ। उपराज्यपाल महोदय ने इस बारे में वर्ष 2010 में आदेश दिया था, लेकिन अभी तक उस पर अमल नहीं हुआ। मैं मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा कि वे इस पर ध्यान देकर कार्रवाई करें। केम्प बेल और अंडमान-निकोबार के मध्य उत्तर अंडमान में क्वारी खोली जाये, यह मेरी मांग है।